

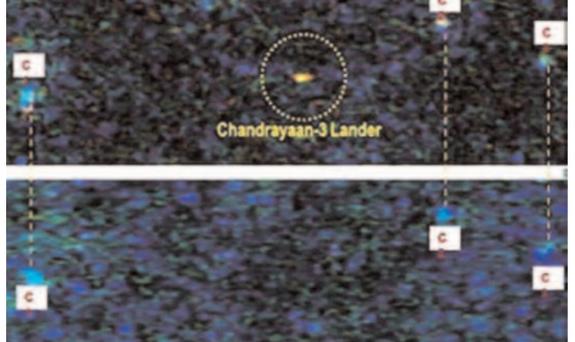


नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 1 अंक: 323 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) रविवार 10 सितम्बर 2023 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

चांद की सतह पर घुष अंधेरे में पीले तारे की तरह चमक रहा है विक्रम लैंडर, चंद्रयान-2 के आर्बिटर ने खींची तस्वीर

नई दिल्ली. भारत के चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर चांद की सतह पर इस समय स्लीप मोड में हैं. चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 14 दिनों तक खोज करने के बाद वहां सूरज ढलने के बाद दोनों ही उपकरणों को इसरो के वैज्ञानिकों ने बंद कर दिया है. इन्हें वहां सूर्योदय के बाद एक बार फिर से एक्टिव करने की कोशिश होगी, लेकिन इस बीच चांद की सतह पर घुष अंधेरे में चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की तस्वीरें सामने आई हैं जो चौंकाने वाली हैं.



चमकता दिख रहा है. विक्रम लैंडर की तस्वीर 6 सितंबर 2023 को ली गई है. तस्वीर में चांद की सतह नीले, हरे और गहरे काले रंग की दिख रही है. इसी के बीच विक्रम लैंडर एक पीले गोले में दिख रहा है, पीली रोशनी के साथ दिख रहा है. यहां तीन तस्वीरें हैं. बाएं तरफ पहली वर्टिकल

असल में यह तस्वीर चंद्रयान-3 के आर्बिटर में लगे ड्यूल-फ्रिक्वेंसी सिंथेटिक अपचर रडार ने ली है. अंधेरे में तस्वीर लेने वाला खास यंत्र है DFSAR DFSAR एक खास यंत्र है, जो रात के अंधेरे में हाई रेजोल्यूशन पोलैरीमेट्रिक मोड में तस्वीर लेता है. यानी अंधेरे में धातुओं से निकलने वाली हीट और रोशनी को यह पकड़ लेता है. चाहे वह प्राकृतिक तौर पर मौजूद धातु हो या इंसानों द्वारा धातुओं से निर्मित कोई वस्तु हो उसे कैमरे में पकड़ लिया जाता है.

इससे पहले भी चंद्रयान-2 आर्बिटर ने ली थी तस्वीर

चंद्रयान-2 के आर्बिटर ने 25 अगस्त 2023 को भी चंद्रयान-3 की तस्वीर ली थी. यह दो तस्वीरों का कॉम्बिनेशन थी, जिसमें बाईं तरफ वाली फोटो में जगह खाली है. दाहिनी फोटो में लैंडर चांद की सतह पर दिख रहा है. इस तस्वीर में लैंडर को जूम करके इनसेट में दिखाया गया था.

मात-मिडिल ईस्ट-यूरोप कॉरिडोर का हुआ ऐलान, बढ़ाएगा चीन की टेंशन



नई दिल्ली. भारत, अमेरिका, सऊदी अरब और यूरोपीय संघ ने शनिवार को जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर एक बहु-राष्ट्रीय रेल और बंदरगाह परियोजना की घोषणा की. इस ऐलान को चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल का मुकाबला करने के मकसद से काफी अहम माना जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, सऊदी अरब के फ्राउड प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ इस मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर डील की घोषणा की. इस भारत-मीडिल ईस्ट-यूरोप आर्थिक गलियारे के शुभारंभ और वैश्विक बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए साझेदारी कार्यक्रम की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'भेरे मित्र राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मुझे इस आयोजन की अध्यक्षता करते हुए बहुत खुशी हो रही है. आज हम सबने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक समझौता संपन्न होते हुए देखा है. आने वाले समय में भारत पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच यह आर्थिक एकीकरण का प्रभावी माध्यम बनेगा. यह पूरी दुनिया की कनेक्टिविटी और सतत विकास को नई दिशा देगा.' शेष पृष्ठ संख्या 3 पर

बनिये अपने गाँव का पत्रकार, उठाइये गाँव की आवाज। हम लिखिए Vatanki-awaz@gmail.com पर मेल भेजे।

फिर कोलाचल में धांस धांस

दैनिक समाज जागरण धनबाद : मानो सितम्बर महीना में ही आ गया हो दीपावली। धनबाद में हर दिन कहीं न कहीं गोली चल रही है मानो दिवाली हो। दिवाली में जितना पड़ाका नहीं फूटते उससे ज्यादा धनबाद में आए दिन गोली चल रही है। यह सब अवैध कोयला कारोबार से ही जुड़ा हुआ घटना है खबर आ रही थी सितुआ 10 नंबर मोड में कई राउंड गोली चलने जिसमें एक साहिल खान नामक युवक को गोली लगी। गंभीर अवस्था में घायल युवक को निचोतपुर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है दोनों ओर से भीड़ देखा जा रहा है। धनबाद में लोग खोफ से जी रहे हैं कब कहा किधर से गोली चल जाए किसी को पता नहीं रहता



। अपराधियों, रंगदारों व मनबहुओं से धनबाद के कारोबारी भी त्रस्त हैं. रंगदारी के लिए फोन का आना और बात नहीं मानने पर अंजाम भुगतने की धमकी से अधिकांश परेशान हैं. हालात यह है कि शहर के कई व्यवसायी शहर से बाहर रह कर मैनेजमेंट के बल पर अपना कारोबार चला रहे हैं या फिर घर से ही फोन के बल काम संभाल रहे हैं. केवल पिछले ढाई माह की बात करें, तो जिले के नौ कारोबारियों प्रतिष्ठान या घर पर रंगदारी के लिए गोलीबारी हुई है।

हरियाणा में 200 रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को दिये जाएंगे रोजगार के अवसर- मनोहर लाल खट्टर

निशा शर्मा ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हरियाणा चण्डीगढ़, सितम्बर: हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि रोजगार मेलों के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करना सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस वर्ष भी 200 रोजगार मेलों के माध्यम से रोजगार देने व चाहने वालों के लिए साझा मंच उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री आज विशेष चर्चा कार्यक्रम के तहत ऑडियो कांफ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेलों में रोजगार पाने वाले युवाओं से सीधा संवाद कर रहे थे। उन्होंने युवाओं उच्चल भविष्य की मंगलकामना करते हुए कहा कि जनवरी 2019 से अब तक राज्य में 1450 रोजगार मेलों आयोजित कर 31217 युवाओं को रोजगार सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा इन मेलों में पूर्ण पारदर्शिता के आधार पर रोजगार के लिए नियुक्ति पत्र भी सौंपे गए हैं।



है। यह नियुक्ति पत्र जीवन में आगे बढ़ने की सीढ़ी और उनकी योग्यता का प्रमाण भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वावलम्बन एवं स्वाभिमान युवाओं के उत्थान व कल्याण के दो महत्वपूर्ण आधार स्तम्भ हैं। सरकार ने युवाओं के स्वाभिमान की रक्षा के लिए नौकरियों को मिशन मेरिट में बदला है और योग्यता के आधार पर बिना खर्ची पत्तियों के सरकारी नौकरियां देकर युवाओं का मनोबल बढ़ाया है। अब तक एक लाख 14 हजार सरकारी नौकरियां दी गई हैं तथा 56 हजार और नौकरियां प्रदान की जाएंगी। इसके अलावा 2 लाख युवाओं को रोजगार देने के लिए अनेक कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक निजी उद्योगों में भी 19 लाख युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 24 लाख 43 हजार युवाओं को स्वरोजगार खड़ा करने के लिए आर्थिक सहायता देने का कार्य किया गया है। इस प्रकार निजी क्षेत्र में भी रोजगार तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों युवाओं को लाभ पहुंचाया है और इसे आगे भी पहुंचाया जाएगा।

युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 24 लाख 43 हजार युवाओं को स्वरोजगार खड़ा करने के लिए आर्थिक सहायता देने का कार्य किया गया है। इस प्रकार निजी क्षेत्र में भी रोजगार तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों युवाओं को लाभ पहुंचाया है और इसे आगे भी पहुंचाया जाएगा।

मंत्रियों को बेचैन कर रखा है राजा की सवारी ने !

पटना/डा. रुद्र किंकर वर्मा। समय — समय की बात है. उस जमाने में राजा की सवारी किसी गरीब की कुटिया पर पहुंचती तो गरीब धन्य हो जाता था. उसकी गरीबी दूर हो जाती थी. राजा कहते थे कि कुछ मांग लो, जो मांगोगे, वही मिलेगा. ऐसा होता भी था. इतिहास में और धार्मिक किताबों में भी ऐसी कई कहानियां अंटी पड़ी हैं कि राजा किसी गरीब के घर अनायास पहुंच गये तो अगले दिन उसके पास ढेर सारा धन आ गया. हीरो जवाहरात की बात ही क्या? वह तो राजा यू ही छिड़क कर चले आते थे. कभी कोई राजा गरीब के घर सरप्राइज विजिट कर देता था तो अगले की किस्मत पलट जाती थी.



दिन बाद और बार — बार जब राजा की सवारी उन्हीं की कुटिया पर पहुंचने लगी तो जितने मुंह, उससे अधिक बातें भी होने लगी. डांट भी पड़ गयी बीच में दुश्मनों ने उड़ा दिया कि राजा को पक्की खबर मिली है. खबर यह कि उनके पास जरूरत से ज्यादा धन आ गया है. राजा उसी की टोह लेने जा रहे हैं. मंत्री के घर राजा के जाने का सिलसिला कुछ दिन कमजोर पड़ा. इस बीच राजा ने एक दिन उनके घरम — करम को लेकर उन्हें डांट दिया. यह खबर भी अफसरों के बीच गयी. मान लिया गया कि मंत्री के दिन पूरे हो गये हैं. इतनी डांट के बाद राजा फिर शायद ही उन्हें अपने आसपास फटकने दें. अनुमान गलत हुआ. इधर फिर उस मंत्री महोदय के घर पर राजा की सवारी ताबड़तोड़ ढंग से पहुंचने लगी है. पर, अब दूसरा संकट आ गया है. नया संकट यह है कि अब मंत्रीजी भी राजा की बार — बार की यात्रा से परेशान हो गये हैं. सुबह हो या शाम, मंत्रीजी को हमेशा राजा के आने का डर बना रहता है. राजा को भी पता नहीं रहता उनके लिए संतोष का विषय यह है कि राजा ने इन दिनों कुछ और कुटियों की खोज कर ली है. वह किस समय किसकी कुटिया पर जाने की इच्छा प्रकट कर देंगे, इसके बारे में किसी को पता नहीं रहता है. करीबी तो यहां तक कहते हैं कि अपने गंतव्य के बारे में राजा को भी पता नहीं रहता है। एक दिन तो सुबह से देर रात तक उन्हीं पांच कुटियों का दौरा कर लिया. दूसरे मंत्री के यहां तो एक ही दिन में दो बार चले गये थे. बेचारे ये वाले मंत्री भी अपने घर में बेचैनी की हालत में ही बैठते हैं।

पथर बरसाने वाले बदमाशों का पुलिस ने बाजार में घुमाकर जुलूस निकाला

भोपाल/ इंदौर। सदर बाजार थाना क्षेत्र में पुराने राजीनामा के चक्कर में दो पक्ष आपस में भिड़ गए थे। विवाद के बाद इलाके में दो पक्षों में पथरवा हो गया था, स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने दोनों ही पक्ष को थाने लाकर दोनों पर अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया। वहीं इलाके के रहवासियों ने बताया था कि दोनों ही पक्ष का कोई पुराना विवाद चल रहा था, जिसमें शुक्रवार को राजीनामा होना था, लेकिन राजीनामा को लेकर ही विवाद हुआ और दोनों पक्ष आपस में भीड़ गए। थाना प्रभारी सतीश पटेल के अनुसार, शुक्रवार दोपहर इलाके में रहने वाले दो पक्ष आपस में भीड़ गए। दोनों ही पक्ष का विवाद



इतना बढ़ गया था कि दोनों ने एक दूसरे पर पथरवार कर दिए। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्ष के खिलाफ अपराध पंजीकृत किया गया।

इतना बढ़ गया था कि दोनों ने एक दूसरे पर पथरवार कर दिए। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्ष के खिलाफ अपराध पंजीकृत किया गया।

यूक्रेन में शांति की वकालत, आतंकवाद के सभी रूप की निंदा... जी-20 समिट के पहले दिन की ये बातें खीं ख्यास

नई दिल्ली. जी20 शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध पर प्रमुख मतभेदों को दूर करते हुए शनिवार को सदस्यों देशों ने 'नई दिल्ली लीडर्स समिट डिक्लेरेशन' को अपनाया जो भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कामयाबी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान 'वैश्विक विश्वास की कमी' को समाप्त करने का आह्वान किया. इस मौके पर पीएम मोदी ने यह भी घोषणा की कि अफ्रीकी संघ को जी20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान जी20 देशों के घोषणापत्र में कहा गया कि आज का युग युद्ध का नहीं है और इसी के मद्देनजर घोषणापत्र में सभी देशों से क्षेत्रीय अखंडता तथा संप्रभुता सहित अंतरराष्ट्रीय

कानून के सिद्धांतों को बनाए रखने का आह्वान किया गया और यूक्रेन में शांति का मोहाल कायम करने की वकालत की गई. घोषणापत्र में कहा गया है, 'परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को धमकी देना अस्वीकार्य है.' प्रमुख विकासित और विकासशील देशों के समूह के दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के शुरुआती दिन दूसरे सत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने 37 पन्नों के घोषणापत्र पर आम सहमति और उसके बाद इसे अपनाने की घोषणा की. घोषणापत्र पर आम सहमति और उसके बाद इसे अपनाने की घोषणा भारत द्वारा यूक्रेन संघर्ष का वर्णन करने के लिए जी20 देशों को एक नया पाठ बांटने के कुछ घंटों बाद की गई.

पीएम मोदी ने किया घोषणापत्र पर आम सहमति बनने का ऐलान पीएम मोदी ने शिखर सम्मेलन में नेताओं से कहा, 'मित्रों, हमें अभी-अभी अच्छी खबर मिली है कि हमारी टीम की कड़ी मेहनत और आपके सहयोग के कारण, नई दिल्ली जी20 लीडर्स समिट डिक्लेरेशन पर आम सहमति बन गई है. प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं घोषणा करता हूँ कि इस घोषणापत्र को स्वीकार कर लिया गया है.' पीएम मोदी ने सोशल मीडिया 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट में कहा, 'नई दिल्ली घोषणापत्र (नई दिल्ली लीडर्स समिट डिक्लेरेशन) अपनाने के साथ ही इतिहास रचा गया है.'

राजस्थान का चुनावी रण: सूबे की ये 52 सीटें बनी कांसेस के लिए चुनौती, 15 साल से नहीं हो पाई काबिज

दैनिक समाज जागरण हरियाणा जयपुर. राजस्थान में विधानसभा चुनावों की रणभेरी बजने से पहले राजनैतिक पार्टियों ने 200 सीटों पर अपनी-अपनी गणित बिछाने का काम शुरू कर दिया है. राजस्थान में परिसीमन के बाद हुए तीन विधानसभा चुनावों 2008, 2013 और 2018 के नतीजे बताते हैं कि सूबे के 29 जिलों की 52 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां कांग्रेस का खाता ही नहीं खुल पाया. यह दीगर बात है कि इन तीन चुनावों में से 2008



और 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस दो बार सत्ता प्राप्त करने में कामयाब रही. अब राजस्थान में 19 जिलों की

बढ़ोतरी के बाद जिले भले ही 50 हो गए हैं लेकिन इस बार का विधानसभा चुनाव पुरानी विधानसभा सीटों और परिसीमन के अनुसार होगा. राजस्थान में पूर्व में 33 जिले थे. उनमें से 52 सीटों पर आज भी कांग्रेस जीत को तरस रही है. इन सीटों के लिए इस बार भी कांग्रेस अलग रणनीतिक तहत चुनाव लड़ने के मूड में है. लेकिन इनमें से कितनी सीटों पर कांग्रेस काबिज हो पाएगी यह चुनाव के बाद ही पता चल पाएगा.

## (रणजी) कुमार श्री रणजीत सिंह जी

कुमार श्री रणजीत सिंह जी (जन्म: 10 सितम्बर, 1872, काठियावाड़, गुजरात; मृत्यु: 2 अप्रैल, 1933) को "भारतीय क्रिकेट का जादूगर" कहा जाता है। उन्हें भारत का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी माना जाता है। रणजीत सिंह प्रथम टेस्ट मैच खिलाड़ी थे। उन्होंने इंग्लैंड से अपने क्रिकेट खेल की शुरुआत की थी। उन्हीं के नाम पर उन्हें सम्मान देने के लिए भारत के प्रथम श्रेणी के क्रिकेट टूर्नामेंट का नाम ह्यरणजी ट्रॉफी रखी गया है। इस टूर्नामेंट का शुभारम्भ 1935 में पटियाला के महाराजा भूपिन्दर सिंह ने किया था। रणजीत सिंह भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक थे। वे एक भारतीय राजकुमार थे, जिन्हें प्रथम भारतीय खिलाड़ी होने का श्रेय भी प्राप्त है।

### परिचय

कुमार रणजीत सिंह का जन्म 10 सितम्बर, 1872 को गुजरात के काठियावाड़ में सरोदर नामक स्थान पर हुआ था। उनका जन्म एक धनी परिवार में हुआ था। अपने छात्र जीवन में वे क्रिकेट के अतिरिक्त फुटबॉल व टेनिस भी खेलते थे। रणजीत सिंह 'रणजी' से ज्यादा लोकप्रिय हुए थे। रणजी जीवन भर अविवाहित रहे। जब-जब भी विवाह का प्रसंग आता, तब-तब वह मजाक में कहते कि- क्रिकेट ही मेरी जीवन संगिनी है।

### शिक्षा

1888 में रणजीत सिंह ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज में दाखिला लेने ब्रिटेन चले गए। वहीं पर पढ़ते हुए फाइनल वर्ष में वह क्रिकेट ह्यब्ल्यूड में शामिल हो गए। वहीं उन्होंने अपना नाम बदलकर (निक नेम) ह्यस्मिथरु कर लिया और उसी नाम से पहचाने जाने लगे थे। बाद में उन्हें कर्नल के नाम से भी जाना जाता था। उन्हें कर्नल हिज हाइनेस श्री सर रणजीत सिंह जी विभाजी कहकर सम्बोधित किया जाता था। वह नवानगर के महाराजा जैम साहब के नाम से भी जाने जाते थे। अपनी स्नातक शिक्षा पूरी हो जाने पर रणजीत सिंह ने ससेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट खेलना आरम्भ कर दिया।

### प्रथम भारतीय टेस्ट क्रिकेट खिलाड़ी

रणजीत सिंह ने इससे पूर्व सही व्यवस्थित खेल नहीं खेला था, लेकिन फिर भी उन्होंने फाइनल वर्ष की ग्रीष्म में क्रिकेट खेलते हुए ह्यब्ल्यूड को जीत लिया। उन्होंने खेल की औपचारिक शुरुआत मई, 1895 में लॉर्ड्स में की। यहां उन्होंने ससेक्स के लिए खेला और एम. सी. सी. के विरुद्ध 77 व 150 रन बना डाले। फिर 1896 में इंग्लैंड की ओर से उन्होंने पहला टेस्ट मैच खेला। इस प्रकार वह क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने वाले प्रथम भारतीय बन गए। 1896 में यह टेस्ट मैच रणजीत सिंह ने 16 से 18 जुलाई के बीच मान्चेस्टर में खेला। उन्होंने यह मैच ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध इंग्लैंड की ओर से खेला। उन्होंने अपने इस पहले टेस्ट मैच में 62 तथा 154 रन बनाए और आउट नहीं हुए। इस प्रकार वह डब्लू जी. ग्रेस के बाद दूसरे ऐसे

### \*प्रेम चिंतन व चिंतन प्रस्तुति \*

प्रेमामृत पीकर हम सबको अतिशय नैतिक बल व उत्साह मिल जाता है। पौषूष प्यार का पाकर हर प्राणी, जीवन में उड़ता पंछी बन जाता है।	प्यार नहीं, उत्साह नहीं, उत्साह नहीं, तब सम्बल पाना कितना मुश्किल है। आगे बढ़े तो बढ़े कैसे राहें कंटकमय, जीवन अनमोल, निछावर क्यों कर दें।
साहिल पर बैठे तल कहाँ मिलता है, गहिरें जा कर गोता लगाना पड़ता है।	

अर्धशतक शामिल हैं। उन्हें 1897 में ह्यविज्डन क्रिकेटर ऑफ द ईयररु चुना गया था। रणजीत सिंह क्रिकेट की दुनिया के जीनियस थे, जिन्होंने बल्लेबाजी की कला को नए आयाम दिए। उनसे पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी फ्रंट फुट पर ही खेलते थे, परन्तु उन्होंने बैक फुट पर भी शानदार स्ट्रोक खेले और नए तरीके से कट लगाने की विधि से खेला।

### कीर्तिमान

#### रणजी

रणजी ने अपने जीवनकाल में क्रिकेट के प्रथम श्रेणी मैचों में 72 शतक बनाये। अंग्रेज उन्हें रणजी के नाम से ही पुकारते थे। उन्होंने सन् 1899 में 3,159 और 1900 में 3,069 रन बनाए थे। 1896 में मानचेस्टर में इंग्लैण्ड की ओर से ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलते हुए इन्होंने पहले टेस्ट में ही अपना शतक पूरा करा लिया था। अपनी निराली बल्लेबाजी के कारण उन्होंने क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया। विश्व-विख्यात क्रिकेट समीक्षक नैविल कार्ड्स ने श्री रणजीतसिंह का खेल देखने के बाद लिखा था-



"ब्रिटेन के मैदानों में पहली बार पूर्व की किरण दिखाई दी। उन दिनों क्रिकेट का खेल बिल्कुल सीधा खेला जाना जाता था। यानी वह गुड लेंथ का गेंद और सीधी बल्लेबाजी का खेल था।

तब क्रिकेट के खेल को केवल अंग्रेजों का खेल ही माना जाता था। अचानक इंग्लैण्ड के मैदान में पूर्व के एक व्यक्ति ने ऐसा रंग जमाया कि सब ने एक मत होकर यह स्वीकार किया कि ऐसा खिलाड़ी तो आज तक इंग्लैण्ड में भी पैदा नहीं हुआ। इस व्यक्ति का खेल सचमुच ही अद्भुत था। अपनी निराली बल्लेबाजी के कारण वह सीधे बॉल को ऐसे चुमाता था देखने वाले देखते रह जाते थे और कहते- 'लो... वह बॉल आया और लो...वह बाउंड्री भी पार कर गया।' उस अद्भुत बल्लेबाजी का रहस्य कोई नहीं जान सका। गेंदबाज स्तब्ध खड़ा हो जाता और अपनी दोनों बांहों में बॉल को दबाकर यह सोचने लगता कि आखिर यह कैसे हो गया?"

### ऐतिहासिक वर्ष

सन 1900 रणजी के जीवन का ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण वर्ष माना जाता है। इसी वर्ष उन्होंने पाँच अवसरों पर 200 से अधिक (दोहरा शतक) और छह अवसरों पर सौ से अधिक रन बनाए। अपने जीवन में उन्होंने 500 पारियाँ खेलीं। इनमें से 62 बार वह आखिर तक आउट नहीं हुए। उन्होंने 56.27 की औसत से कुल 24,642 रन बनाए। रन बनाने की उनकी औसत रफ़्तार 50 रन प्रति घण्टा थी।

### मृत्यु

रणजी की मृत्यु 2 अप्रैल, 1933 को हुई। भारत में उनकी स्मृति में 'रणजी टॉफी' प्रतियोगिता शुरू की गई। इसे क्रिकेट की राष्ट्रीय प्रतियोगिता माना जाता है।

प्यार न होने से कितनी कमी रहती है, लाख मुसुकाये पर आँखें नम रहती हैं।

मजबूरी के चलते सीखना भी पड़ता है, नही तो वक्त के साथ बदलना पड़ता है। प्रेम की भूख सबको बार बार लगती है, प्रेमप्यास जितनी मिले उतनी बढ़ती है।

प्रेम से मजबूर मैं एक गीत लिखूँगा, हर एक शब्द को संगीतमय करूँगा। प्रेम की धार बहेगी मन मेरा मचलेगा, आदित्य के साथ मनमोत मचलेगा।

**कर्नल आदि शंकर मिश्र, आदित्य लखनऊ**

## महिलाओं के आर्थिक विकास में विशेष सहयोग की चर्चा

# G20 आर्थिक पहलू से हटके मानवीय संदर्भ और दृष्टिकोण के साथ महिला सशक्तिकरण का नया क्षितिज'

### दैनिक समाज जागरण

भारत G20 के सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए गौरवशाली मेजबानी कर रहा है 'यह पहला अवसर है जब विश्व के इतने शक्तिशाली राजनेता एक साथ भारत की राजधानी दिल्ली में एकत्र है' इस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय शांति, स्पेस रिसर्च, विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, सामरिक विषयों के साथ-साथ विश्व बंधुत्व और मानवीय दृष्टिकोण के पहलुओं की बात तो होगी ही इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण एवं मानवीय संवेदनाओं के विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी चर्चा होगी "20 में निश्चित तौर पर मानवीय दृष्टिकोण और महिला सशक्तिकरण की जोर-जोर से भारत अपनी तरफ से पहल करेगा और ऐसा होना भी चाहिए' पूरे विश्व में भारत के साथ महिलाओं की राष्ट्र के प्रति आर्थिक विकास में बड़ी महती भूमिका रही है। हर रात की सुबह होती है, और सुबह चमकदार और उजाले से भरपूर होती है' भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया है' स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है' आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है' आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है' वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है' भारत विकास की दर आज बड़ी

से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है' विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है' अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है' यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है, परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चार-दीवारी में क्या होना पड़ा था' इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं' भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहुंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है' इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन, मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्योगिकी, एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और

उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं' सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं हैं, फिर चाहे वह शनि सिंगानापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका में इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25% से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60% महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ

अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50% भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों से खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।



संजीव ठाकुर, चिंतक, लेखक रायपुर छत्तीसगढ़

# विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस

जाकर शरीर छोड़ने की सोचता है तो वह आत्महत्या कही जाती है। इसके अनेक कारण हो सकते हैं।

### थीम

आजकल हर उम्र के लोग आत्महत्या जैसे अपसाद की चपेट में आ रहे हैं। कई सारी चीजों से लोगों का मोह भंग हो रहा है। साल 2020 में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की थीम वॉकिंग टुगेदर टू प्रिवेंट सुसाइड यानी आत्महत्या की रोकथाम के लिए साथ काम करना है, रखी गई है।

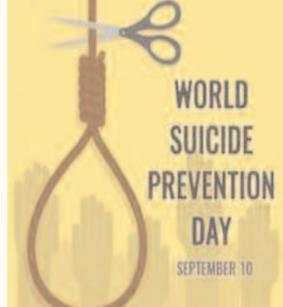
लोगों की परेशानी आंकड़ों के मुताबिक लोग पारिवारिक समस्याओं के चलते अपनी जिंदगी का सफर खत्म कर लेते हैं। कई सारे लोग अपनी नौकरी या फिर शादीशुदा समस्याओं की वजह से परेशान होकर ऐसा कदम उठाते हैं। वहीं परीक्षा और बेरोजगारी जैसी चीजें भी इस सूची में हैं। अकेलेपन का शिकार होने की वजह से व्यक्ति आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठा सकता है।

### परिचय

जब कोई बहुत ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकदम अवसाद में चला जाता है, इसी अवसाद की वजह से लोग ज्यादातर युवा आत्महत्या कर लेते हैं। इससे उनके परिवार पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। हर साल 10 सितंबर को 'वर्ल्ड सुसाइड प्रिवेंशन डे' (विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस) मनाया जाता है। इसे लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और आत्महत्या के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए मनाया जाता है। आत्महत्या के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए इसे 2003 में शुरू किया गया था। इसकी शुरुआत आईएसपी (इंटरनेशनल असोसिएशन ऑफ सुसाइड प्रिवेंशन) द्वारा की गई थी।

जीवन इस संसार में सबसे अनमोल माना गया है। हिन्दू पुराणों व शास्त्रों में स्पष्ट लिखा है कि "जन्म हुआ है तो मृत्यु भी निश्चित है। सभी इंसानों के जन्म और मृत्यु का समय निश्चित है। लेकिन जब कोई इस निश्चित वक्त के विरुद्ध

गुप्ता कहती है कि जन्म हुआ तो मृत्यु निश्चित है, लेकिन निर्धारित समय के खिलाफ जाने का प्रयास न करें, जीवन को आप दोबारा नहीं पा सकते। समझो कि आपकी सबसे प्यारी चीज आप खुद हैं। आपके स्वजन, मित्र, धन, प्रतिष्ठा या नौकरी जीवन में अहम है, लेकिन उतना नहीं जितना आपका खुद का



जीवन। जीवन ही एकमात्र ऐसी चीज है जिसे आप दोबारा नहीं पा सकते। लिहाजा, हमेशा अपने आपको सबसे महत्वपूर्ण समझो। बदलाव प्रकृति और समाज का नियम है। आज दिन अगर बुरे हैं तो कल अच्छे भी होंगे। यह अलग बात है कि इसके लिए कोशिश करनी होगी और सकारात्मक रहना होगा। नकारात्मकता को खुद पर हावी मत होने दें।

मनोवैज्ञानिक डॉ. मुकुल शर्मा बताते हैं कि किसी भी समस्या में विचलित नहीं होना चाहिए। समस्या को स्वीकार करें और फिर उस समस्या को हल करने का तरीका ढूँढ़ें। खुद पर भरोसा रखकर ही हम समस्याओं से संघर्ष कर सकते हैं। अवसाद में किसी भी व्यक्ति का आत्मबल कमजोर पड़ जाता है। ऐसे में परिवार व दोस्त किसी भी इंसान को बहुत मानसिक संबल दे सकते हैं। इस समय खुद को मोबाइल के साथ ही व्यस्त न रखें बल्कि अपने परिवार के साथ वक्त बिताएं। अगर आप अकेले बैठते हैं तो कई तरह के विचार मन में आते हैं। ऐसे वक्त में ध्यान बेहद जरूरी है।

**कमजोर पड़ती संयम की डोर**



















